सांध्य दैनिक 4PM

आज वैश्विक निर्भरता का अर्थ यह है कि विकासशील देशों में आई आर्थिक आपदाएं विकसित देशों में संकट ला सकती हैं।

-अटल बिहारी वाजपेयी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 130 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 13 जून, 2024

अमेरिका से जीतने में भारत के... 7 | चुनाव परिणामों ने बदले यूपी-बिहार... 3 | अब विधान परिषद में भी नेता... 2

1563 उम्मीदवारों को दोबारा देना होगा नीट एग्जाम

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेस मार्क्स रद्द करने का दिया आदेश

- 23 जून को होगी परीक्षा 30 जून को आएंगे परिणाम
- कोर्ट ने एनटीए को लगाई लताड़, पूरी नीट परीक्षा नहीं होगी रद्द
- कांग्रेस ने की सीबीआई जांच की मांग
- एनटीए ने धांधली के पीछे ग्रेस मार्क्स को बताई थी वजह

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट यूजी धांधली मामले में आज छात्रों की बड़ी जीत हुई है। सर्वोच्च अदालत ने छात्रों के लिए एक राहत का फैसला सुनाया है। सुप्रीम ने नीट परीक्षा परिणाम में अनियमितता को देखते हुए एनटीए को 1563 छात्रों का ग्रेस मार्क्स रद्द करके फिर से नीट एग्जाम आयोजित करने का निर्देश दिया है। ऐसे उम्मीदवारों को 23 जून को फिर से परीक्षा देने का विकल्प दिया जाएगा। इसके नतीजे 30 जून को आएंगे।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गड़बड़ी के आरोपों के आधार पर नीट यूजी 2024 को रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाओं सहित सभी याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। 67 छात्रों को 720 में से 720 मार्क्स मिलने पर जब एनटीए से सवाल पूछा गया था तो एनटीए ने इसके पीछे की वजह ग्रेस मार्क्स बताई थी। एनटीए ने अपनी सफाई में कहा था कि कुछ एग्जाम सेंटर्स पर लॉस ऑफ टाइम की वजह से कुल 1563 छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए हैं, जिसकी वजह से 44 छात्रों के मार्क्स 720 हुए। हालांकि, आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद एनटीए को ग्रेस मार्क्स रद्द करने का निर्देश दिया गया।

काउंसलिंग पर रोक न लगाने का फैसला कायम

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि वह नीट यूजी 2024 की काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएगा। कोर्ट ने कहा कि काउंसलिंग जारी रहेगी। हम इसे रोकेंगे नहीं। अगर परीक्षा होती है तो सब कुछ सही तरीके से होगा, इसलिए डरने की कोई बात नहीं है।

छात्रों के पास हैं अब दो विकल्प

इस आदेश के बाद अब जिन स्टूडेंट्स को एनटीए की तरफ से ग्रेस मार्क्स दिए गए हैं, उनके पास दो ऑप्शन हैं। ये छात्र या तो 23 जून को री-एग्जाम में बैठ सकते हैं या फिर बिना ग्रेस मार्क्स वाले पुराने स्कोर के साथ ही काउंसलिंग की तरफ आगे बढ़ सकते हैं। जिन कैंडिडेट को कॉन्फिडेंस है कि वे दोबारा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो वे री-एग्जाम में शामिल होने का फैसला ले सकते हैं।

67 छात्रों को मिले 720 में से 720 अंक

ग्रेस मार्क्स पाने वाले छात्र ही देंगे फिर से परीक्षा

नीट रिजल्ट के बाद दाखिल की गई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 छात्रों का ही री-एग्जाम कराया जाएगा। बाकी नीट परीक्षा को रद्द नहीं किया जा रहा है। इससे पहले एनटीए ने कहा था करीब 24 लाख छात्रों में से केवल 1563 छात्रों के परीक्षा परिणाम तक समस्या सीमित है। बाकी स्टूडेंट्स को कोई परेशानी नहीं है।

दोषियों को किया जाएगा दंडित : शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंत्रालय संभालते ही नीट रिजल्ट में हुई धांधली को लेकर कहा कि सरकार इस मामले को लेकर गंभीर है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सख्त सजा दी जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जिन बच्चों ने सवाल खड़ा किया है, सरकार उन्हें गंभीरता से ले रही है। जो घटना हमारे सामने आई है, दोषियों को दंडित किया जायेगा। भारत सरकार पूरी तरह से पारदर्शी व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। कोर्ट जो कहेगा वो ही किया जाएगा।

कांग्रेस ने पीएम मोदी और शिक्षा मंत्री की चुप्पी पर उठाए सवाल

नीट 2024 के रिजल्ट में हुई धांधली पर अब सियासत भी शुरू हो गई है। शिक्षा मंत्री द्वारा दोषियों पर कार्रवाई की बात कहने पर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। साथ ही सीबीआई जांच की मांग भी की गई है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर हमला करते हुए कहा कि जांच किया ही नहीं और परिणाम दे दिया। अगर वे सरकारी पदाधिकारियों से पूछेंगे तो उन्हें यही जवाब मिलेगा कि सब ठीक है। बच्चों और उनके माता-पिता को ये जानने का अधिकार है कि आप इस निर्णय पर कैसे पहुंचे। प्रधानमंत्री चुप हैं, शिक्षा मंत्री बिना जांच किए ही ये कह रहे हैं कि कुछ नहीं हुआ। इस जनादेश के बाद भी इनका अहंकार खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस पार्टी सीबीआई जांच की मांग करती है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि शिक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री चुप हैं। वे बात नहीं करना चाहते हैं। जिस एनटीए के नेतृत्व में पेपर लीक हुआ, उसी को इंक्वायरी करने के लिए बोला गया। हम निष्पक्ष जांच की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं।

इस स्कैम पर चर्चा क्यों नहीं करते पीएम : गौरव गोगोई

गौरव गोगोई ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो परीक्षा पर चर्चा करते थे, परीक्षा को लेकर मार्गदर्शन देते थे। आज जो स्कैम हुआ है, उसको लेकर चर्चा यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसकी सुप्रीम कोर्ट मॉनिटर्ड एक जांच होनी चाहिए। हमने रिकॉर्डिंग सुनी हैं, जिसमें लाखों रुपए मांगे जा रहे हैं। ये एग्जाम हमारे भविष्य के डॉ टरों को तैयार करते हैं, या ऐसे ही उन्हें तैयार किया जा रहा है।

अब विधान परिषद में भी नेता प्रतिपक्ष की हकदार बनेगी सपा

अखिलेश यादव ने छोड़ी विधानसभा, कन्नौज से रहेंगे सांसद

» तीन नए सदस्यों की शपथ के बाद बढ़ जाएगी संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब विधान परिषद में भी समाजवादी पार्टी मजबूत होने वाली है। दरअसल, विधान परिषद के 13 नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ लेते ही सपा उच्च सदन में भी नेता प्रतिपक्ष की हकदार हो जाएगी। ये 13 सदस्य शुक्रवार 14 जून को शपथ लेंगे। इनमें तीन सदस्य सपा के हैं। ऐसे में अब विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में सपा एमएलसी जासमीन अंसारी, शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, राजेंद्र चौधरी और लाल बिहारी यादव आगे बताए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि पांच मई तक सपा के विधान परिषद में नौ सदस्य थे, जोकि सदन की कुल संख्या के 10 प्रतिशत से कम थे। नतीजतन, विधान परिषद में सपा को नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं दिया गया था। मानक के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए न्यूनतम 10 प्रतिशत सदस्य होने चाहिए।

12 हुई उच्च सदन में सपा सदस्यों की संख्या

विधान परिषद में पांच मई को रिक्त हुए 13 पदों के लिए पहले ही मार्च में आयोग ने चुनाव करा लिए थे। इसमें 10 सीटें भाजपा और उनके सहयोगियों को मिलीं। जबकि तीन सदस्य सपा के बने। इस तरह से उच्च सदन में सपा के सदस्यों की संख्या 12 हो गई है, जोकि नेता प्रतिपक्ष के पद के लिहाज से नए सदस्यों के शपथ लेने के बाद प्रभावी होगी। माना जा रहा है कि सपा विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद किसी मुस्लिम को दे सकती है। उस स्थिति में जासमीन अंसारी और गुड्डू जमाली का नाम आगे चल रहा है। अनुभव के आधार पर राजेंद्र चौधरी और जातीय समीकरणों के आधार पर लाल बिहारी यादव भी दौड़ में शामिल हैं।

अखिलेश ने दिया करहल विधानसभा से इस्तीफा

वहीं दूसरी ओर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वे कन्नौज से सांसद चुने गए हैं और उससे पहले वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव मैनपुरी की करहल सीट से जीते थे। फैजाबाद (अयोध्या) के नवनिर्वाचित सपा सांसद अवधेश प्रसाद और अम्बेडकरनगर के सांसद लालजी वर्मा ने भी यूपी विधानसभा से अपना इस्तीफा दे दिया है। वर्ष 2022 में अवधेश प्रसाद अयोध्या जिले की मिल्कीपुर से और लालजी वर्मा अम्बेडकरनगर की कटेहरी सीट से विधायक चुने गए थे। नियमतः एक ही सदन के सदस्य रह सकते हैं, इसलिए सपा के इन नेताओं ने लोकसभा का सांसद बने रहने का फैसला किया। अखिलेश का इस्तीफा स्वीकार होते ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी खाली हो जाएगा। तीनों का इस्तीफा प्राप्त होने की पुष्टि विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने की है। यहां बता दें कि नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में अब सपा नेता शिवपाल यादव, रामअचल राजभर, इंद्रजीत सरोज और कमाल अख्तर आगे हैं।

भाजपा अध्यक्ष को लेकर शुरू हुई माथापच्ची

» खरगे के विकल्प में दलित चेहरे पर दांव लगा सकती है बीजेपी

» रेस में शामिल हैं कई नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा ने एनडीए के सहयोग से एक बार फिर सरकार बना ली है। हालांकि, ये एक खिचड़ी सरकार है जिसमें एनडीए के सहयोगियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। इस बार की कैबिनेट में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के स्वास्थ्य मंत्री बनाए जाने के बाद अब बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर जोर आजमाइश शुरू हो गई है। क्योंकि मंत्री बनने के बाद नड्डा को अब राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छोड़ना होगा। इसलिए अब भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा इसको लेकर अटकलबाजी शुरू हो गई हैं।

पार्टी के सभी बड़े नेताओं के मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद यह कयास लगाना मुश्किल हो रहा है कि पार्टी किसे अगला अध्यक्ष बनाएगी। वर्तमान समीकरणों को ध्यान में रखते हुए पार्टी किसी दलित, महिला या ठाकुर समुदाय के नेता को अपना अध्यक्ष बना सकती है। कांग्रेस के दलित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की काट के लिए पार्टी किसी दलित चेहरे पर भी दांव खेल सकती है।

राजपूतों को साधने की कोशिश

पिछले चुनाव में राजपूतों के भाजपा से नाराज होने की बात कही जा रही थी। उसे इसका यूपी-राजस्थान सहित कई राज्यों में नुकसान भी हुआ है। ऐसे में किसी राजपूत को पार्टी का अध्यक्ष बनाकर पार्टी इस कमी को पूरा करने की कोशिश कर सकती है। अनुराग ठाकुर को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। अनुमान जताया जा रहा है कि अनुराग ठाकुर को पार्टी संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

दलित कार्ड खेल सकती है पार्टी

कांग्रेस द्वारा दलित नेता मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष बनाने के बाद पार्टी को इसका लाभ मिलता दिखा है। यही कारण है कि अब बीजेपी भी खरगे के काट के तौर पर किसी दलित चेहरे पर ही दांव लगा सकती है। तो वहीं उत्तर प्रदेश में इस बार दलित वोटर ने भी बीजेपी के साथ खेला किया है। यूपी में दलित मतदाताओं के बहुजन समाज पार्टी से छिटक कर कांग्रेस के खाते में चले जाने को खरगे फैक्टर का असर बताया जा रहा है। भाजपा ने यूपी में दलित मतदाताओं में बड़ी सेंध लगाने में सफलता हासिल की थी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे भी दलितों का समर्थन खोना पड़ा है। 2000-2001 में बंगारू लक्ष्मण के बाद पार्टी में कोई दलित अध्यक्ष नहीं बना है। ऐसे में दलित मतदाताओं को साधने के लिए पार्टी दलित चेहरे पर दांव लगा सकती है।

ममता सरकार ने किसानों के लिए खोला खजाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब राज्य सरकारें अपने-अपने सूबे में काम पर जुट गई हैं और जनता को लुभाने में लग गई हैं। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के किसानों को राहत देते हुए प्रदेश के 1.05 करोड़ किसानों को वित्तीय सहायता के रूप में 2900 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की। पश्चिम बंगाल सरकार ने उन 2.10 लाख किसानों को भी राहत दी है, जिन्हें चालू रबी सीजन के दौरान प्रतिकूल मौसम के कारण फसल का नुकसान हुआ था। सरकार ऐसे किसानों के लिए 293 करोड़ रुपये जारी कर रही है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सीएम ममता बनर्जी ने जानकारी देते हुए कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि (कृषक बंधु नतुन योजना) के तहत राज्य भर में 1 करोड़ 5 लाख किसानों को 2,900 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा हम उन 2.10 लाख किसानों के बैंक खाते में सीधे 293 करोड़ रुपये की राशि भी जारी कर रहे हैं, जिनकी वर्तमान रबी सीजन के दौरान प्रतिकूल मौसम के कारण फसल का नुकसान हुआ है। यह सहायता हमारी अनूठी फसल बीमा योजना बांग्ला शस्य बीमा (बीएसबी) के तहत दी जा रही है। जिसके लिए राज्य सरकार संपूर्ण प्रीमियम का भुगतान करती है।

2900

करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा सीएम ने की

1.05 करोड़ किसानों को दी वित्तीय सहायता

2019 से 1 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचे 3,133 करोड़ रुपये

सीएम ममता ने कहा कि 2019 में शुरुआत के बाद से प्रभावित एक करोड़ किसानों के बैंक खातों में अब तक 3,133 करोड़ रुपये पहुंच चुके हैं। एक एकड़ से अधिक की खेती योग्य भूमि के लिए एक किसान को 10000 रुपये मिलते हैं। इससे कम भूमि के लिए न्यूनतम राशि 4000 रुपये प्रति वर्ष होती है।

किसानों की आर्थिक बेहतरी के लिए बंगाल सरकार प्रतिबद्ध

ममता बनर्जी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार किसानों की आर्थिक बेहतरी और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में 18 से 60 वर्ष के बीच किसान को मृत्यु होने पर उसके परिवार को दो लाख रुपये मुआवजा दिया जाता है। पश्चिम बंगाल में कुल 1,12,000 शोक संतप्त परिवारों को पिछले कुछ वर्षों में कुल 2240 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जा चुका है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वसुंधरा की दिल्ली में सक्रियता ने बढ़ाया राजस्थान का सियासी पारा

» पार्टी व संघ के कई बड़े चेहरों के साथ की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान में सरकार बनाने के बावजूद भाजपा को लोकसभा चुनावों में राजस्थान में इस बार भारी नुकसान उठाना पड़ा है। 2019 में जहां बीजेपी ने राजस्थान में क्लीन स्वीप करते हुए सभी 25 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं इस बार बीजेपी की संख्या घटकर 14 पर आ गई है। ऐसे में राजस्थान में बीजेपी समीक्षात्मक मोड पर है।

वहीं दूसरी ओर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के लगातार दिल्ली में पार्टी नेताओं से मुलाकात के बाद राजस्थान में सियासी हलचल तेज है। वसुंधरा राजे ने बुधवार देर शाम दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें राजे ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राजे ने संघ के कुछ पदाधिकारियों से भी मुलाकात की है। ऐसे में अब उनकी अचानक इस सक्रियता को लेकर राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगना शुरू हो गई हैं।

पुत्र के लिए संभावनाएं तलाश रहीं राजे

राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह राजस्थान के मौजूदा बीजेपी सांसदों में सबसे सीनियर हैं। लेकिन लगातार 5वीं बार चुनाव जीतने के बाद भी केंद्र में उन्हें कोई पद नहीं मिला। ऐसे में क्या अब राजस्थान के संगठन में उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी दिलवाने के लिए राजे इन बैठकों के जरिए संभावनाएं तलाश रही हैं? अटकलें बहुत सी हैं लेकिन ऐसी चर्चाएं पहले भी बहुत बार उठ चुकी हैं। हालांकि इस बार प्रदेश में लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन के बाद संगठन या सरकार में कुछ बदलाव की चर्चाएं जरूरी उठी हैं।

चुनाव परिणामों ने बदले यूपी-बिहार के समीकरण

- उप्र में सपा-कांग्रेस ने बिगाड़ा बीजेपी का गणित
- बिहार में नीतीश ने बचा ली अपनी साख
- तेजस्वी पर भारी पड़े चिराग
- अखिलेश-राहुल की नजर यूपी विस-27 चुनाव पर
- केंद्रीय कैबिनेट में बिहार का बढ़ा रुतबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस बार के चुनावों के परिणाम कई मायनों में कईयों को हमेशा याद रहेंगे। इसबार जनता ने कई नेताओं के अहंकार को तो तोड़ा ही है कईयों को आत्ममंथन करने के लिए मजबूर भी किया है। यहीं नहीं आमजनों ने संविधान को भी बचाया है सत्ता पक्ष को यह भी नसीहत देने की कोशिश की है कोई भी फैसला आम सहमति से किया जाता है, उसे थोपा नहीं जाता। सत्ता में दो बार से पूर्ण बहुमत के दम पर मनमानी तरीके से सरकार चला रही बीजेपी को इसबार अंकुश में काम करना पड़ेगा।

उधर कांग्रेस व सपा ने अपनी कारगर रणनीति से बीजेपी को चारो खाने चित कर दिया है। यूपी में राहुल व अखिलेश की जोड़ी ने भाजपा के विजयी रथ पर लगाम लगाया है। वहीं महाराष्ट्र में महाअघाड़ी गठबंधन ने बीजेपी के महायुति को पटखनी देकर मोदी-शाह को आसमान दिखाया है आने वाले विधान सभा चुनावों में बीजेपी के लिए राह कठिन होने वाली है। इंडिया गठबंधन के एक मजबूत सहयोगी राजद को बिहार में जरूर उतना लाभ नहीं मिला जितना मिलना चाहिए था। हालांकि वहां भी 2025 में विधान सभा चुनाव होने है ऐसे में आगे देखना होगा बिहार की राजनीति क्या करवट लेती है। लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद बिहार में नई राजनीतिक गतिशीलता उभर रही है। मोदी 3.0 कैबिनेट में बिहार से सात सांसदों को जगह मिली है, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन और सहयोगी दलों के चार लोग शामिल हैं। इनमें उजियारपुर से नित्यानंद राय और बेगूसराय से गिरिराज सिंह शामिल हैं। मौजूदा कैबिनेट में अन्य सदस्य नए चेहरे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। डॉ. राज भूषण चौधरी मुजफ्फरपुर से मल्लाह समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, सामाजिक न्याय के मसीहा और दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर भी मंत्रिमंडल में शामिल हुए हैं।

बिहार में बन रहे नये-नये खेमे

मंडल के बाद की राजनीति में पिछड़ी जाति के पॉलिटिक्स का महत्व बढ़ा है। लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने गैर-यादव ओबीसी, खासकर कुशवाहा समुदाय पर दांव लगाया। उन्होंने लोकसभा चुनाव में माई-बाप (मुस्लिम यादव, बहुजन, आदिवासी, आधी आबादी-महिला, पिछड़ा) का फॉर्मुयला दिया। चुनाव में तेजस्वी के राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) का गठबंधन था। सहनी निषाद समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें नदी से जुड़े व्यवसायों में शामिल लगभग 22 जातियां शामिल हैं। मुजफ्फरपुर से भाजपा सांसद राज भूषण चौधरी मूल रूप से सहनी की वीआईपी के सदस्य थे जो 2019 का लोकसभा चुनाव हार गए थे। बिहार के चुनावी पटल पर सहनी का उदय बताता है कि निषाद समुदाय के भीतर नए नेताओं के लिए अवसर है। सहनी ने कहा, हम वोट देकर दूसरों को नेता बना रहे हैं, अब हम अपने लोगों को नेता बनाएंगे और अपने वोट की ताकत बढ़ाएंगे। कई ईबीसी जातियों के लिए नेतृत्व एक निरंतर चुनौती रही है, जिसके कारण उत्तर प्रदेश और बिहार में छोटी जाति-आधारित पार्टियां बनी हैं। भाजपा ने हिंदुत्व की राजनीति के प्रतीकों का लाभ उठाकर कई ईबीसी समुदायों के वोट बैंक में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की है। हालांकि, जाति जनगणना से अगड़ा बनाम पिछड़ा के नैरेटिव ने बिहार में राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के पास ईबीसी वोट की वापसी संभव दिख रही है।

अखिलेश यादव की नजर सेंट्रल पॉलिटिक्स पर

मैनपुरी के पूर्व सांसद और अखिलेश के भतीजे तेज प्रताप यादव करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने 6,42,292 वोटों के साथ सीट जीतकर मौजूदा भाजपा सांसद सुब्रत पाठक को 1,70,922 वोटों से हराकर यादव परिवार के किले कन्नौज पर फिर से कब्जा कर लिया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव 2024 में कन्नौज सीट से जीत हासिल करने के बाद करहल विधानसभा सीट से विधायक पद से अपना इस्तीफा सौंपेंगे। इसका मतलब साफ है कि अखिलेश अब राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमीका निभाएंगे। मैनपुरी के पूर्व सांसद और अखिलेश के भतीजे तेज प्रताप यादव करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है। अपने इस्तीफे के साथ ही सपा सुप्रीमो उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी छोड़ देंगे और यह पद कौन संभालेगा इसका फैसला अखिलेश के दिल्ली दौरे के बाद होगा। विशेष रूप से, तेज प्रताप यादव को शुरुआत में कन्नौज सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का टिकट दिया गया था, लेकिन बाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के असंतोष के कारण निर्णय बदल दिया गया, जो चाहते थे कि अखिलेश इस निर्वाचन क्षेत्र

सपा प्रमुख ने समझदार मतदाताओं की सराहना की

लोकसभा नतीजों में समाजवादी पार्टी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश से 37 सीटें जीतकर पहले स्थान पर रही, जो संसद के निचले सदन में 80 सांसदों को भेजता है। एक खुले नोट में, अखिलेश ने जीत के बाद उत्तर प्रदेश के समझदार मतदाताओं की सराहना करते हुए सफलता का श्रेय पीडीए (पिचाड़ा, दलित और अल्पसंख्याक) की रणनीति और गठबंधन द्वारा किए गए प्रयासों को दिया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि उत्तर प्रदेश के प्रिय बुद्धिमान मतदाताओं, राज्य में इंडिया ब्लॉक की जीत दलित-बहुजन विश्वास की भी जीत है, जो पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों के साथ-साथ आधी आबादी (महिलाओं) और सभी उपेक्षित, शोषित, उत्पीड़ितों की जीत है। समानता, सम्मान, स्वाभिमान, गरिमापूर्ण जीवन और आरक्षण का अधिकार देने वाले संविधान को बचाने के लिए ऊंची जातियों में पिछड़ों ने कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी है।

बिहार में तेजस्वी के लिए जाल बिछा रही है भाजपा

एनडीए सहयोगियों को केंद्र सरकार में शामिल करने से पता चलता है कि भाजपा आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक लामबंदी पर फोकस कर रही है। आरजेडी और उसके नेता तेजस्वी यादव को घेरने के लिए उसकी एक प्रमुख रणनीति अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और दलित वोटों को अपने फोल्ड में रखना है। बिहार सरकार के जाति सर्वेक्षण के बाद ईबीसी वोटों का महत्व बढ़ गया है क्योंकि सर्वेक्षण में पता चला है कि राज्य की आबादी का 63प्रतिशत हिस्सा ओबीसी हैं। ईबीसी इसकी वर्ग का हिस्सा हैं। दलितों और आदिवासियों को जोड़ने पर आंकड़ा 85प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इससे 85 बनाम 15 यानी पिछड़ा बनाम अगड़ा का नैरेटिव पुष्ट होता है जो 1980 के दशक से बिहार की जाति राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है।

मोदी कैबिनेट में यूपी के सांसदों पर भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रि परिषद में विभाग बंटवारे में यूपी के राज्य मंत्रियों को खासी अहमियत दी है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी को कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा उन्हें शिक्षा विभाग का राज्यमंत्री भी बनाया गया है। कीर्तिवर्धन सिंह को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के साथ विदेश मामलों का मंत्री बनाकर उनका कद बढ़ाया गया है। जितिन प्रसाद को वाणिज्य एवं उद्योग के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। मोदी-3 मंत्रिपरिषद में यूपी से दो कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह और हरदीप पुरी हैं। रालोद के

जयंत चौधरी को महत्वपूर्ण विभाग देकर जाट मतदाताओं में उनकी पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है। मंत्रिपरिषद में दुबारा स्थान पाने वाले बीएल वर्मा उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण विभाग के राज्यमंत्री होंगे। पिछली बार उनके पास अपेक्षाकृत कम महत्व के माने जाने वाला उत्तर पूर्व विकास क्षेत्र और सहकारिता विभाग था। अपना दल (एस) कोटे की राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक विभाग की मंत्री बनाई गई हैं। मोदी-2 सरकार में वे वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री थीं। मोदी-2 सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री रहे एसपी सिंह बघेल को इस बार मत्स्य, पशुपालन व डेयरी और पंचायती राज विभाग में जिम्मेदारी मिली है। पंकज चौधरी पुन: वित्त राज्यमंत्री बनाए गए हैं। पहली बार मंत्री बने कमलेश पासवान को ग्रामीण विकास विभाग का राज्यमंत्री बनाया गया है।

नीतीश ने की ईबीसी पॉलिटिक्स की शुरुआत

नीतीश कुमार ने कल्याणकारी योजनाओं और विकासपरक नीतियों से ईबीसी वोटों पर अपना प्रभाव बनाए रखा है। हालांकि, उनके अस्थिर गठबंधन और घटती व्यक्तिगत अपील ने संदेह जरूर पैदा कर दिया है कि क्या भविष्य में भी उनकी पकड़ मजबूत रहेगी। जेडीयू की मौजूदगी के बावजूद इसके कम वोट शेयर से पता चलता है कि 2025 के विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार की व्यक्तिगत लोकप्रियता को कड़ी जांच का सामना करना पड़ेगा।

2025 विधानसभा पर रहेगी नजर

मोदी सरकार में ईबीसी और दलित नेताओं को शामिल करना 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया गया एक रणनीतिक कदम है। इन समुदायों के नेताओं को केंद्रीय मंत्री बनाकर भाजपा आगामी राज्य चुनावों के लिए मंच तैयार कर रही है। भाजपा बिहार में तेजस्वी यादव के खिलाफ चिराग पासवान को भी एक दावेदार के रूप में पेश कर सकती है।

चिराग एक प्रगतिशील युवा नेता के रूप में उभरे

चिराग एक प्रगतिशील युवा नेता के रूप में देखे जाते हैं। पासवान समुदाय के भीतर उनकी अपील और उनका व्यापक सपोर्ट बेस तेजस्वी यादव की बढ़ती लोकप्रियता के लिए खतरा हो सकता है। तेजस्वी यादवों के नेता के रूप में अपनी छवि नहीं बनने देना चाहते। इसके लिए उन्होंने माई-बाप का फॉर्मुयला गढ़ा।लोकसभा चुनाव के नतीजों से स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि बिहार नए नेतृत्व का इंतजार कर रहा है। आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव इस मायने में काफी दिलचस्प होगा कि क्या कोई नेता यह इंतजार पूरा कर पाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

संघ प्रमुख ने दिखाया सत्ताधीशों को आईना!

मोदी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के ठीक एक दिन बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर, चुनाव,राजनीतिक दलों के रवैये पर बात की। भागवत ने सभी धर्मों को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद बाहर का अलग माहौल है। नई सरकार भी बन गई। संघ नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता। संघ इसमें नहीं पड़ता।

देर से ही सही पर मणिपुर मामले में संघ प्रमुख ने आखिर बीजेपी व मोदी को आईना दिखाने का काम किया। नागपुर में प्रचारकों के एक कार्यक्रम के दौरान आरएसएस के सरसंघचालक ने साफतौर से कहा कि मणिपुर में पिछले एकसाल से हिंसा से प्रभावित है पर सता के शीर्ष पर बैठे लोगों ने उसको गंभीरता से नहीं लिया। भागवत ने इसके अलावा भी कई बातों पर खुलकर बात की । उन्होंने अपनी हर बात में पिछली सरकार के शीर्ष नेतृत्व को खरी-खरी सुनाई। हालांकि भागवत के आए बयान पर कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे सराहा पर कुछ ने यह तक कहा कि संघ प्रमुख ने मणिपुर जैसे मुद्दे पर काफी देर में प्रतिक्रिया दी। खैर विवाद में पड़ने से अच्छा यह सोचने की जरूरत है संघ प्रमुख के इस तरह का वक्तव्य देने का क्या मायने है। ये चर्चा की बात हो सकती है पर इसमे कोई दो राय नहीं कि भागवत ने सही कहा कि जनता की सेवा करने वाले को अहंकार नहीं करना चाहिए कि वह सबकुछ है।

खैर अब देखना होगा कि उनकी बातें सत्ता में बैठे लोगों को बदलती है यर वे उसी राह पर चलते हैं जिस पर वह चल रहे हैं। मोदी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के ठीक एक दिन बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर, चुनाव,राजनीतिक दलों के रवैये पर बात की। भागवत ने सभी धर्मों को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद बाहर का अलग माहौल है। नई सरकार भी बन गई। संघ नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता। संघ इसमें नहीं पड़ता। लोगों ने जनादेश दिया है और सबकुछ उसी अनुसार होगा। मोहन भागवत की ओर से जो बयान सामने आए उसके बाद विपक्षी दलों को मोदी सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया। दरअसल संघ प्रमुख के बयान को बीजेपी चीफ जेपी नड्डा के बयान से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक नड्डा के बयान के बाद तो स्वयंसेवक भी एक्टिव नहीं रहे। अब भागवत के बयान को चुनाव परिणाम के बाद नड्डा के बयान से ही जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि भागवत ही आरएसएस के पूर्व पदाधिकारी को मणिपुर का दौरा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वहीं शिवसेना (यूबीटी) संजय राउत ने कहा कि सरकार तो उनके ही आशीर्वाद से चल रही है, बोलने से क्या होता है। मोहन भागवत के बयान पर एनसीपी (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि मैं उनके बयान का स्वागत करती हूं क्योंकि मणिपुर भारत का हिस्सा है। कुल मिलाकर अब बीजेपी व मोदी की जिम्मेदारी है संस्कृति व विरासत का दम भरने वाली भाजपा संघ प्रमुख के कथन के बाद भारत की मूल भावना का कद्र करेगी और सबको साथ लेकर चलेगी और मनमानी नहीं करेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आइए, 2047 तक भारत को ज्ञान का शक्ति केंद्र बनाएं

ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

आत्मनिर्भरता के लिए शंखनाद से अभिप्राय है भारत को ज्ञान की धुरी बनाना, औपनिवेशिक मानसिकता से छुटकारा और 'सस्ते श्रमिकों वाली' अर्थव्यवस्था से 'ज्ञान की कमाई वाली' आर्थिकी में तबदील करना। हमारी मंजिल 'ज्ञान का शक्ति केंद्र' बनना है। इसके लिए, हमारे पास सामर्थ्य है, आकार है और जनांकिकीय लाभांश है और अब वृद्धिमान आर्थिक कूवत भी है। सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत सतत वृद्धि बने रहने की आस और 6-जी के लिए नव-लहर प्रोत्साहन, चिप डिजाइन और चिप उत्पादन, नव-ईंधन (हाइड्रोजन एवं बायोफ्यूल), पवन एवं सौर ऊर्जा, अनेकानेक यूनिकॉर्न कंपनियां और स्टार्टअप्स का माहौल- ये सब, पर्यावरण मित्र और घरेलू उत्पादों की लहर बनाने की संभावना रखते हैं। 6-जी और चिप उत्पादन रणनीतिक महत्व रखते हैं जिससे डिजिटल क्रांति का मार्ग प्रशस्त होगा।

यह वक्त दूसरों की तकनीक का अनुसरण करते रहने से परे हटने का भी है। वक्त आ गया है कि हम अपनी क्षमताएं बढ़ाएं और नेतृत्व करें। हमें तकनीकी प्रदाता बनना ही होगा। कॉर्पोरेट्स, सार्वजनिक एवं निजी, दोनों को 'मिशन-मॉड' मानसिकता रखकर निवेश करने की जरूरत है। इससे सबसे अधिक फायदा होगा सुरक्षा का, चाहे राष्ट्रीय हो या नागरिक, और यह दोनों मिलकर बृहद राष्ट्रीय शक्ति में इजाफा करते हैं। किंतु पहले, जमीनी हकीकत की जांच करनी होगी। हमारी रूपांतरण यात्रा में कुछ क्षेत्र नाजुक दशा में हैं। यूएनडीपी की वैश्विक ज्ञान सूचकांक रिपोर्ट (2023) के अनुसार, 133 देशों की सूची में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में, हमारा स्थान यूनिवर्सिटी-पूर्व शिक्षा में 96वां (अमेरिका का नौवां), तकनीकी-व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में 119वां (अमेरिका दूसरे स्थान पर), उच्च शिक्षा में 106वां (अमेरिका चौथे नंबर पर), अनुसंधान एवं विकास और इनोवेशन में 54वां (अमेरिका पांचवें पायदान पर), आईसीटी यानी सूचना एवं संचार तकनीक में 83वां (अमेरिका दूसरे स्थान पर) है।

दरअसल, समाधान हैं इनोवेशन और विकास। नवोन्मेष एक विचार को दूसरे पर रखकर विकसित करते जाने की प्रक्रिया है जिसका परिणाम है नूतन उत्पाद, प्रसंस्करण या सेवा, जिसका आगे व्यापारीकरण होने के बाद यह व्यावहारिक उपयोग में आती है। विज्ञान

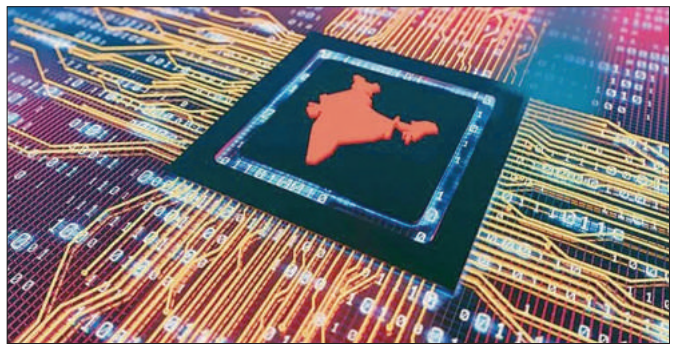

एवं तकनीक के क्षेत्र में विकास 'एक समय में एक कदम' के हिसाब से आगे बढ़ता है, और भावी पीढ़ियों में नवाचार करने की भावना भरने की हसरत रखता है। इसके लिए रट्टा आधारित शिक्षा तजकर 'जिज्ञासा एवं नवाचार' वाला मॉडल अपनाने की जरूरत है, जो रट्टा लगाकर उत्तर देने वाली प्रचलित प्रणाली को चुनौती देती है। हां, यह सही है कि 50 जमा 40 नब्बे होते हैं, लेकिन यदि कोई बच्चा कहे कि योग सौ से नीचे है तो उसने आपको एक स्वीकार्य उत्तर दे डाला है। रट्टा पद्धति से शिक्षा नवाचार की विरोधी है। बगीचों के शहर नाम से प्रसिद्ध बेंगलुरू हमारे देश की सिलिकॉन वैली है, बल्कि सिलिकॉन कालोनी कहना ज्यादा उचित होगा। यहां के आईटी उद्योग में, हम दूसरों के लिए बतौर श्रमिक काम कर रहे हैं , दूसरे तैयार माल पर ठप्पा लगाकर लाभ कमाते हैं और हम ऐसे तैयार उत्पाद के लिए दाम चुकाने वाले खरीदार हैं। शुरुआत करने के लिए यह ठीक था, यह दुनिया को हमारे कौशल का प्रदर्शन के लिए भी सही था। वर्ष 2000 आते-आते इसने तेजी पकड़ी लेकिन अब उस युग का फायदा कब का पुराना पड़ चुका। बेंगलुरू बदल तो रहा है किंतु रफ्तार हमेशा की भांति धीमी है। 2047 की राह में बेंगलुरू को अन्य दर्जनभर ज्ञान-केंद्रों (हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कई अन्य शहर) में एक बने रहने के लिए अपनी चाल में तेजी लानी होगी। बेंगलुरू को अपना स्तर उच्चतर करने के लिए 'चिप नेट इंटिग्रेशन कैपिटल' में तबदील होने की जरूरत है जिससे कि आगामी लहर के सिलिकॉन हब के तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सके। कमियों के बावजूद हमें अगली पीढ़ी की प्रतिभा को भुनाने के लिए एक बृहद एवं पुरस्कृत करने वाली नवोन्मेष व्यवस्था का निर्माण करने की आवश्यकता है। हमारे पास प्रत्येक स्तर पर प्रतिभा बहुतायत में है, हमें बस इसका उपयोग करने की राह ढूंढ़ने की जरूरत है।

अगली पीढ़ी (जेन-नेक्सट) भी अपनी उपयोगिता सिद्ध करवाने के लिए अवसरों का इंतजार कर रही है। जैसे ही उन्हें यह हासिल होंगे तो न केवल भारत बल्कि समूची मानवता का भला हो जाएगा। जेन-नेक्सट, यह चाहे जहां हो, इसने भारत के बाहर या बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते हुए, अथक रूप से एवं बारम्बार सिद्ध कर दिखाया है कि इसका योगदान विश्वस्तरीय है। इस पर लगाम कसने की बजाय खुली छोड़ दें और इन्हें सशक्त बनाएं। रट्टे वाली पढ़ाई से छुटकारा पाएं। यह सिखाना कि विचार क्या होने चाहिए से अधिक महत्वपूर्ण है विचार कैसे पैदा किए जाएं।

सरकार-समाज के साझे प्रयासों से ही समाधान जल संकट

प्रेम प्रकाश

बीते कुछ दशकों में जल संरक्षण को लेकर विश्व मानचित्र पर कई मॉडल उभरे हैं। बदलाव के इस सफर के एक छोर पर सिंगापुर जैसा छोटा मुल्क है, तो दूसरे छोर पर भारत जैसी विशाल आबादी और भूगोल वाला देश। बहरहाल, बात पहले सिंगापुर की। दुनियाभर में सैर-सपाटे के लिए सबसे पसंदीदा ठिकाने और बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में सिंगापुर का नाम पूरी दुनिया में है।

चढ़ते पारे के बीच पानी की समस्याओं को लेकर सरकार की नीति और दृष्टि को लेकर कुछ बातें स्पष्ट होनी चाहिए। नि:संदेह, नदी और जल संरक्षण की दिशा में होने वाले प्रयास ज्यादा प्रभावी होने चाहिए। यह अपेक्षा बीते एक दशक में देश में पानी से जुड़ी उपलब्धियों पर सवाल ही नहीं उठाती, बल्कि इससे उम्मीदें और मजबूत होती हैं। आज जो स्थिति है उसमें अब सरकारों के लिए पानी मसला नहीं, बल्कि मिशन होना चाहिए। वैसे भी पानी आज वैश्विक मुद्दा है। बीते कुछ दशकों में जल संरक्षण को लेकर विश्व मानचित्र पर कई मॉडल उभरे हैं। बदलाव के इस सफर के एक छोर पर सिंगापुर जैसा छोटा मुल्क है, तो दूसरे छोर पर भारत जैसी विशाल आबादी और भूगोल वाला देश।

बहरहाल, बात पहले सिंगापुर की। दुनियाभर में सैर-सपाटे के लिए सबसे पसंदीदा ठिकाने और बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में सिंगापुर का नाम पूरी दुनिया में है। तीन दशक पहले जब डिजिटलीकरण का जोर बढ़ा तो दुनिया भर की कंपनियों ने अपने उत्पाद को यहीं से तमाम देशों में भेजना और प्रचारित करना सबसे बेहतर माना। लेकिन सिंगापुर की एक दूसरी पहचान भी है, जो ज्यादा प्रेरक है, ज्यादा मौजू है। आने वाले चार दशकों के लिए आज सिंगापुर के पास पानी के प्रबंधन को लेकर ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसमें जल संरक्षण से जल शोधन तक पानी की किफायत और उसके बचाव को लेकर तमाम उपाय शामिल हैं। सिंगापुर की खास बात यह भी है कि उसका जल प्रबंधन शहरी क्षेत्रों के लिए खास तौर पर मुफीद है। गौरतलब है कि सिंगापुर के सामने लंबे समय तक यह सवाल रहा कि एक शहर-राष्ट्र, जिसके पास न तो कोई प्राकृतिक जल इकाई है, न ही पर्याप्त भूजल भंडार है, उसके पास इतनी भूमि भी नहीं कि वह बरसात के पानी का भंडारण कर सके। ऐसे में गंदे पानी के शुद्धीकरण, समुद्री जल का खारापन कम करने और वर्षा जल के अधिकतम संग्रह के साथ सिंगापुर ने पानी से जुड़ी अपनी जरूरतों को पूरा करने का एक ऐसा मॉडल तैयार किया, जो एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के साथ सामाजिक बदलाव की एक बड़ी मिसाल है।

सिंगापुर से भारत सीख तो सकता है, पर हमारे देश की आबादी और भूगोल ज्यादा मिश्रित और व्यापक है। लिहाजा पानी को लेकर भारतीय दरकार और सरोकार भी खासे भिन्न हैं। इसे भारतीय राजनीति में प्रकट हुए सकारात्मक बदलाव के साथ सरकारी स्तर पर आई नई योजनागत समझ भी कह सकते हैं कि अब स्वच्छता और घर-घर टोंटी से पानी की पहुंच जैसा मुद्दा साल के एक या दो दिन नारों-पोस्टरों से आगे सरकार की घोषित प्राथमिकता है। यह तार्किक तथ्य है कि यदि हम गंगा को साफ करने में सक्षम हो गए तो यह देश की 40 फीसदी आबादी के लिए एक बड़ी मदद साबित होगी। हम इस दृष्टि से विचार करें कि भारत जैसी भौगोलिक और वैचारिक भिन्नता वाले देश में पानी को लेकर कोई आम सहमति विकसित करना आसान नहीं है। यह भी कि भारत में पानी राज्य का विषय है। लिहाजा, खासतौर पर नदियों को लेकर किसी यूनिफाइड प्रोजेक्ट पर सहमति के साथ आगे बढ़ना चुनौतीपूर्ण है। देश में सरकारों की योजनागत समझ और प्रतिबद्धता में दिखी कमजोरी ही रही कि आस्था से लेकर अर्थव्यवस्था तक के लिए महत्वपूर्ण नदियों को केंद्र में रखकर दशकों तक कोई बड़ा निर्णायक कदम नहीं उठाया गया। पानी को लेकर काम कर रहे तमाम विभागों को साथ लाकर 2019 में जल शक्ति मंत्रालय के गठन के बाद जल क्षेत्र में हम काफी आगे बढ़े हैं। यह बढ़त गंगा सहित कई नदियों के कायाकल्प से जुड़े प्रयासों से लेकर अमृत सरोवर मिशन तक कई स्तरों पर सफलता के आंकड़ों के रूप में सामने है। नमामि गंगे दस साल की यात्रा पूरा कर रही है। भारतीय वन्यजीव संस्थान की ओर से 2020 से 2023 तक किए गए सर्वे में गंगा और उसकी सहायक 13 नदियों में 3936 डॉल्फिन मिली हैं। यह देश में नदी जल की शुद्धता की बेहतर हुई स्थिति को दर्शाता है। यही नहीं, नमामि गंगे को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा चलाए गए एक ग्लोबल मूवमेंट के तहत टॉप 10 वर्ल्ड रेस्टोरेशन फ्लैगशिप में स्थान दिया गया है।

आज देश में 14.85 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों तक नल से शुद्ध जल पहुंच रहा है। नोबेल विजेता प्रोफेसर माइकल क्रेमर के एक शोध के मुताबिक सभी ग्रामीण परिवारों तक कवरेज के साथ जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन से बाल मृत्यु दर में सालाना 1.36 करोड़ की कमी आएगी। साफ है कि पानी के साथ मनमानी के खतरे को समझते हुए देश आज जरूरी जवाबदेही और समझदारी के दौर में हैं। जल संरक्षण को लेकर समाज और सरकार का एक सीध में आगे बढ़ना न सिर्फ कारगर रहा है, बल्कि यह भविष्य के खतरों के लिहाज से भी जरूरी पहल है।

डिहाइड्रेशन का गर्मियों में बढ़ जाता है ज्यादा खतरा

थोड़ा-थोड़ा भोजन करें

गर्मी के दिनों में अपच और गैस की समस्या से बचे रहने के लिए एक साथ ज्यादा खाने से अच्छा है कि आप थोड़ा-थोड़ा भोजन करें। गर्मियों में भारी और तैलीय भोजन का पाचन कठिन हो सकता है, इसलिए अधिक मात्रा में तरल चीजों और कम मसाले वाली चीजें खाएं।

पाचन विकारों का जोखिम

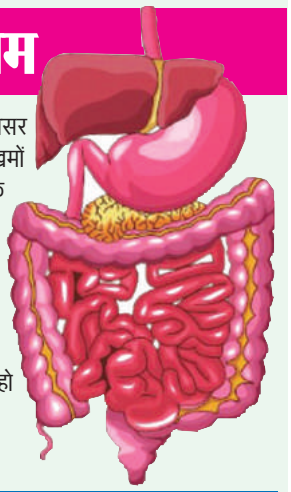

अत्यधिक गर्मी आपके पाचन तंत्र पर भी नकारात्मक असर डाल सकती है। शरीर का निर्जलित होना आपके जोखिमों को और भी बढ़ा देती है। व्यक्ति के शरीर का गर्मी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से पेट में ऐंठन और दर्द की दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा गर्मी के दिनों में भोजन के रखरखाव में बरती गई असावधानी के कारण भी फूड पॉइजनिंग हो सकती है। और गर्मी में पानी की कमी भी हो जाती है। इस तरह की दिक्कतों से बचाव में कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं।

शरीर को रखें हाइड्रेटेड

गर्मियों में खूब मात्रा में पानी पीते रहना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। पानी पीने से न सिर्फ आप डिहाइड्रेशन से बचते हैं साथ ही पाचन विकारों का जोखिम भी कम होता है। प्रतिदिन कम से कम 8 से 10 गिलास पिएं। इसके अलावा फलू के जूस, नारियल पानी और ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशंस (ओआरएस) जैसे पेय भी पाचन से संबंधित समस्याओं से बचाने में मददगार हैं।

स्वस्थ आहार जरूरी

जंक फूड और बासी चीजों के सेवन से बचना गर्मियों में सेहत को ठीक रखना जरूरी है। घर पर बना ताजा भोजन और फलों-सब्जियों को धोकर ही सेवन करें। फूड पॉइजनिंग की समस्या से बचे रहने के लिए लंबे समय तक रखे भोजन को न खाएं। गर्मियों में ज्यादा तली-भुनी चीजों के सेवन से भी बचना जरूरी है। गर्मी में भोजन जल्दी खराब हो जोते हैं और उनमें बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो खाद्य जनित बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

देशभर में तेजी से बढ़ती गर्मी की समस्या सेहत के लिए कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण हो सकती है। उच्च तापमान के कारण हीट स्ट्रोक और निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) होने का खतरा रहता है। गर्मियों का ये मौसम पाचन स्वास्थ्य के लिए भी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। बढ़ती गर्मी के साथ अपच, गैस, उल्टी, दस्त और पेट में दर्द से संबंधित समस्याओं का खतरा काफी बढ़ जाता है। खराब आहार, शरीर में पानी की कमी और शरीर की अत्यधिक गर्मी जैसे कई कारक गर्मियों में पाचन समस्याओं का कारण बन सकते हैं। गर्मी के मौसम में पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप कब्ज, एसिड रिफ्लक्स और फूड पॉइजनिंग के मामले बढ़ने लगते हैं। डॉक्टर कहते हैं, इस मौसम में सभी लोगों को पाचन को ठीक रखने के लिए उपाय करते रहना जरूरी है। कुछ आसान से उपायों की मदद से आप पाचन स्वास्थ्य से संबंधित विकारों को कम कर सकते हैं।

हंसना मना है

मास्टरजी- दीवारों के भी कान होतें है, ये मुहावरे के हिसाब से हमें किस चीज में सावधानी रखनी चाहिये? पिंटू- सर.. मैं बताऊं? हमें दीवारों पे पेशाब नहीं करना चाहिये, वर्ना उनकें कान में पानी चला जायेगा!

टीचर- बिजली कहां से आती है? टीटू - सर, मामाजी के यहां से। टीचर- वो कैसे? टीटू- जब भी बिजली जाती है पापा कहते हैं, सालों ने फिर बिजली काट दी।

मास्टर- हाथ कंगन तो आरसी क्या, इस मुहावरे का अर्थ कौन बतायेगा? पप्पू - मैं बताऊं मास्टर जी, मास्टर- हां बता, पप्पू- हाथ कंगन तो आरसी क्या, इसका मतलब जो लड़कियां हाथ में कंगन पहनकर स्कूटी चलाती हैं पुलिस उनसे आरसी नहीं मांगती? मास्टर बेहोश।

कस्टमर- अगर मैं आज चेंक जमा करू तो वो कब क्लियर होंगा? क्लर्क - 3 दिन में, कस्टमर- मेरा चेंक तो सामने वाली बैंक का है, दोंनों बैंक आमने-सामने है फिर भी इतना समय क्यों? क्लर्क - सर, 'प्रोसिजर टू फोलो' करना पड़ता हैं ना, सोंचो आप कही जा रहे हों और बाजु में ही शमशान हैं, अगर आप शमशान के बाहर ही मर गये, तो आपको पहले घर लेकर जायेंगे या वही निपटा देंगे? कस्टमर बेहोश?

कहानी | भूखा राजा और गरीब किसान

सालों पहले एक नगर का राजा अपने राज्य में रात को अपना रूप बदलकर घूमता था। वो रूप बदलने के बाद लोगों से मिलकर अपने यानी राजा के बारे में जानने की कोशिश करता और उनकी समस्याओं को समझता था। एक रात जब वह नगर घूमकर आया, तो अचानक जोर से बारिश होने लगी। उसने देर किए बिना एक गरीब के घर का दरवाजा खटखटाया। राजा के दरवाजा खटखटाने के बाद घर से एक व्यक्ति निकला। वह एक गरीब किसान था, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। बारिश तेज थी, तो किसान ने राजा को अंदर आने के लिए कहा। राजा ने घर में जाने के बाद पूछा, 'क्या आप मुझे कुछ खिला सकते हैं। मुझे बहुत तेज भूख लगी है।' वो गरीब किसान और उसका परिवार 3 दिनों से भूखा था और उसके घर में एक भी दाना अन्न का नहीं था। किसान के मन में हुआ कि भले ही हम भूखे हैं, लेकिन अपने अतिथि को यूं भूखा नहीं रख सकते। अब किसान ये सोच-सोचकर बेचैन हो गया कि अपने अतिथि का पेट कैसे भरा जाए, तभी उसने घर के सामने वाली दुकान से चावल चुराने की तरकीब सोची। उसने सिर्फ अतिथि के लिए ही दो मुट्ठी चावल लिया और उसे पकाकर राजा को खिला दिया। तब तक बारिश रुक गई थी और राजा अपने घर चला गया। दूसरे दिन दुकान का मालिक अनाज की चोरी की शिकायत लेकर राजा के पास पहुंचा। राजा ने दुकान के मालिक और उस गरीब किसान को अपनी सभा में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। सबसे पहले सभा में पहुंचे किसान ने राजा के सामने जाकर अपनी चोरी का इल्जाम कबूल कर लिया और बीती हुई रात की पूरी बात राजा को बता दी। किसान राजा से कहता है कि मैंने चोरी की, लेकिन मेरे परिवार ने उस अनाज का एक निवाला भी नहीं खाया। गरीब किसान की बातें सुनकर राजा बहुत दुखी हुआ और उसने किसान को बताया कि अतिथि के रूप में मैं स्वयं तुम्हारे घर आया था। इसके बाद राजा ने सभा में पहुंचे दुकानदार से पूछा कि क्या आपने अपने पड़ोसी को चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार ने जवाब दिया कि हां मैंने इसे रात में चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार की बात सुनने के बाद राजा कहता है कि इस चोरी के लिए मैं पहले जिम्मेदार हूं और फिर दूसरा तुम हो, क्योंकि तुमने अपने पड़ोसी को अनाज की चोरी करते हुए देखा। मगर कभी उसके भूखे परिवार को नहीं देखा। तुम अपने पड़ोसी होने का धर्म बिल्कुल निभा नहीं पाए। इतना कहने के बाद राजा ने दुकानदार को सभा से जाने के लिए कह दिया और किसान की अथिति निष्ठा भाव को देखकर उसे एक हजार सोने के सिक्के इनाम के रूप में दे दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ

व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन

घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है।

कन्या

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

कुम्भ

फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन

यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

कल्कि 2898 एडी के ट्रेलर में दीपिका का दिखा जलवा

प्रभास की मां के किरदार में दिखेंगी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण स्टारर कल्कि 2898 AD का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से ही ऑडियंस, इंडस्ट्री, क्रिटिक्स और एक्ट्रेस के फैंस एक्साइटमेंट से भर गए हैं। अपनी वर्सेटाइल परफॉर्मेंस और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर सुपरस्टार ने इस मच अवेटेड फिल्म में अपनी नई भूमिका से सभी को फिर से चौंका दिया है। उन्होंने अपनी मातृत्व की कोमलता को खूबसूरत तरीके से पेश किया है। दीपिका जब भी स्क्रीन पर आती हैं तब हर पल उनकी मौजूदगी से मजबूत हो जाते हैं।

दीपिका के नए पोस्टर के रिलीज के बाद, मेकर्स ने एक शानदार ट्रेलर लॉन्च किया है। ट्रेलर न सिर्फ सभी को समय में अपने साथ पीछे ले जाता है, बल्कि दीपिका के बदलते लुक से भी सभी को चौंका देता है। एक डायस्टोपियन शहर में सेट, दीपिका का किरदार भूरे रंग की कॉस्ट्यूम पहने हुए है। उनका अभिनय दिलों को छूता है, प्रशंसक कहते हैं, रानी माँ बन रही है। ट्रेलर में दीपिका मां की भावनाओं में जान फूंकते हुई नजर आ रही हैं।

छोटे हेयरस्टाइल और कम से कम मेकअप में, दीपिका ट्रेलर में एकदम रीयल और पावरफुल एनर्जी दिखाती नजर आ रही हैं। यह उनके हमेशा की तरह नजर आने वाले ग्लैमरस लुक से हटके है, जिसके बारे में फैंस खूब सारी तारीफ कर रहे हैं। अब जब हम उनके किरदार के बारे में और जाने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में एक्ट्रेस असल जिंदगी में भी मां बनने के अपने सफर को पर्दे पर लेकर आ रही हैं, जिसे देखना अपने आप में खास होने वाला है।

प्रभास की मां बनने से पहले जवान में शाहरुख खान की मां और ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर की मां के किरदार में दीपिका दिख चुकी हैं। कल्कि 2898ष्ठ में एक्ट्रेस एक दमदार भूमिका में नजर आ रही हैं, जहां उनका किरदार उथल उथल के बीच शांति लाता है। उन्हें ऑन-स्क्रीन मां होने की बारीकियां दिखाते देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। उनका नया लुक सिर्फ देखने में आकर्षक नहीं है, बल्कि यह एक गहरे और कॉमोलेक्स किरदार की तरफ भी इशारा करता है।

मिर्जापुर 3 का टीजर हुआ रिलीज

कालीन भैया को देख फैंस हुए गदगद

प्राइम वीडियो ने मिर्ज़ापुर के तीसरे सीज़न के प्रीमियर की तारीख की घोषणा की, जिसका दर्शकों को लंबे समय से इंतज़ार था। लोगों की भरपूर तारीफ पाने वाली इस फ्रैंचाइज़ी में दर्शकों ने ताकत, बदले की भावना, बड़े-बड़े अरमान, राजनीति, धोखा, बेईमानी और परिवार के जटिल ताने-बाने की मनोरंजक कहानी देखी है। लोगों के जेहन में बसे बेहद लोकप्रिय MS3W के बारे में अटकलों पर विराम लगाते हुए और बेसब्री से लॉन्च की तारीख की घोषणा का इंतजार करने वाले लाखों फैन्स को खुशी देते हुए, प्राइम वीडियो ने आज आधिकारिक तौर पर इस शो के नए सीजन के लॉन्च की तारीख की घोषणा की।

टीजर 109 सेकंड का है। टीजर की शुरुआत जंगल से होती है और सबसे पहले फ्रेम में शेर-शेरनी, चील, हिरण जैसे जानवर दिखते हैं। बैकग्राउंड में बापूजी यानी कुलभूषण खरबंदा की आवाज आती है, जो शेर-शेरनी की कहानी सुनाते हैं। ये कहानी मिर्जापुर की पूरी कहानी से मिलती है। टीजर में पंकज त्रिपाठी की झलक देखने को मिलती है।

एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस और क्रिएट की गई इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज़ को दर्शकों ने काफी पसंद किया है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। इस सीरीज़ में पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा सहित कई शानदार कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं। इस मौके पर प्राइम वीडियो इंडिया के हिंदी ऑरिजिनल्स के प्रमुख, निखिल मधोक ने कहा, मिर्ज़ापुर ने अपनी सच्चाई, बेहद शानदार ढंग से गढ़े गए किरदारों, लगातार एक नई दिशा में आगे बढ़ने वाली और बारीकी से लिखी गई कहानी के साथ, सचमुच दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है।

बॉलीवुड **मन की बात**

'हमारे बारह' के बाद से घर से बाहर निकलने में लगता है डर : अदिति

विवादों में फंसी हमारे बारह फिल्म से आखिरकार बैन हट गया है। 14 जून को फिल्म थियेटर्स में रिलीज होने वाली है। लेजेंड्री एक्टर अन्नू कपूर स्टारर इस फिल्म से अदिति धीमन डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया। अदिति ने फिल्म पर चल रहे विवाद और स्टार्स को मिली धमकियों पर खुलकर बात की। अदिति ने साथ ही बताया कि वो कितना डर गई थीं, जब उन्हें रेप और जान से मारने की धमकी मिली और कैसे सरकार और टीम ने उनका पूरा साथ दिया। हमारे बारह में अदिति धीमन ने अन्नू कपूर की बेटी जरीन का रोल निभाया है। फिल्म में उनका किरदार एक ऐसी बेटी का है जो बागी है, लेकिन साथ ही अपने मां-बाप की इज्जत का भी ख्याल रखती है। उन्हें दुख भी नहीं पहुंचाना चाहती। वो एक ऐसे परिवार में जन्मी है जहां महिलाओं का कोई अस्तित्व नहीं माना जाता है। फिर भी वो सपने देखने से हिचकती नहीं है। इन सब के बीच कैसे जरीन अपनी पहचान बनाती है, ये देखना होगा। अदिति ने बताया कि उन्होंने जब स्टोरी का नेरेशन सुना था, वो रो पड़ी थीं। अदिति बोलीं- ये फिल्म पूरी तरह से महिलाओं की बात करती है, किन किन दौर से वो गुजरती हैं। कितनी कुर्बानियां देती है, जो कभी नोटिस ही नहीं की जाती है। फिर भी हर जगह उन्हें नीचा दिखा दिया जाता है। मैं जिस परिवार से आती हूं मुझे नहीं लगा था कभी कि ऐसा होता होगा, लेकिन नहीं ग्राउंड लेवल पर आज भी ऐसा होता है। फिल्म के लिए मैं बुर्का पहनकर लखनऊ की गलियों में घूमी हूं तो मुझे पता चला, एक्सपीरियंस किया मैंने, कि सच में कई चीजें हैं, जो आज भी होती हैं, हमें नहीं पता उनके बारे में। इनके बारे में जानना जरूरी है। अदिति ने फिल्म विवाद पर बात करते हुए कहा- ये मेरी डेब्यू मूवी है और पहली ही फिल्म का इस तरह से कॉन्ट्रोवर्सी में आना दिल तोड़ने वाला होता है। 24 घंटे के अंदर ट्रेलर हटा दिया गया था। लेकिन जो बातें ट्रेलर में दिखाई गई हैं, जो बातें असल में मौलवी करते हैं उनके क्लिप्स यूट्यूब पर आज भी अवेलेबल हैं।

आपने कभी सोचा है फांसी पर लटकाते समय अपराधी के कान में क्या बोलता है जल्लाद ?

जब-जब भी देश में किसी को फांसी दी गई है, वह काफी चर्चा का विषय रहा है। भारत में किसी जघन्य अपराध के मामले में ही दोषी को फांसी की सजा सुनाई जाती है। जब भी देश में किसी को फांसी की सजा दी जाती है, उस समय कुछ नियमों का पालन किया जाता है। फांसी देते समय इन नियमों को जरूर ध्यान में रखा जाता है। इसके बगैर कितने भी बड़े अपराधी को फांसी नहीं दी जा सकती है। बता दें कि फांसी की रस्सी के साथ फांसी का समय, इसे देने की प्रक्रिया आदि पहले से ही तय होते हैं। जब भी हमारे देश में किसी दोषी को फांसी दी जाती है, तो जल्लाद उसके कानों में कुछ बोलता है। क्या आपके कभी सोचा है आखिर ऐसे मौके पर जल्लाद जिसको फांसी देने जा रहा है, उस अपराधी के कान में क्या बोलता होगा? आप भी एक बार सोचने को मजबूर हो गए होंगे कि ऐसे विकट समय में जल्लाद क्या ही बोलता होगा। हम आज आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं कि फांसी के दौरान जल्लाद अपराधी के कान में क्या बोलता है। बता दें कि फांसी के दौरान जल्लाद चबूतरे से जुड़ा लीवर खींचता है। इससे पहले वह अपराधी के कान में बोलता है... मुझे माफ कर दो। सिर्फ यहीं नहीं अगर अपराधी हिन्दू होता है तो उसे राम-राम बोला जाता है। वहीं अगर अपराधी मुस्लिम होता है जल्लाद उसके कान में सलाम बोलता है। इतना ही नहीं, इसके आगे जल्लाद बोलता है कि हम क्या कर सकते हैं, हम हुकुम के गुलाम हैं। इतना कहकर जल्लाद फांसी का फंदा खींच देता है। फांसी के दौरान अपराधी के सामने जेल अधीक्षक, जल्लाद, एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट और डॉक्टर मौजूद रहते हैं। इन चारों में से अगर कोई एक नहीं रहता, तो फांसी की सजा रोक दी जाती है।

अजब-गजब **आज तक अनसुलझा है यह रहस्य**

इस गांव की लड़कियां 12 साल की होते ही बन जाती हैं लड़का!

दुनिया में कई ऐसी अजीबोगरीब जगहें हैं, जिनके रहस्य आजतक कोई नहीं सुलझा पाया। आपने भी कई ऐसी जगहों के बारे में सुना होगा जैसे किसी जगह पर ज्यादातर जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। एक जगह ऐसी भी है, जहां लोग ज्यादातर समय सोते रहते हैं। लेकिन क्या आपने ऐसी जगह के बारे में सुना है जहां महिलाओं के गर्भ से पैदा लड़कियां होती हैं, लेकिन बाद में वे लड़का बन जाती हैं। इस विचित्र जगह ने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर रखा है। आज तक इस रहस्य का पता नहीं चल पाया है कि ऐसा क्यों होता है।

दरअसल, दुनिया के नक्शे पर एक डोमिनिकल रिपब्लिक नाम का गांव है। यहां की लड़कियां एक खास उम्र में लड़का बन जाती हैं। इस कारण इस गांव को लोग श्रापित गांव मानते हैं। इस गांव का नाम ला सेलिनास है। इस गांव की लड़कियां 12 साल की उम्र में लड़का बन जाती हैं। यह गांव समुद्र किनारे बसा है। इसकी जनसंख्या करीब 6 हजार है। यह छोटा सा गांव अपने अनोखे आश्चर्य की वजह से दुनियाभर के शोधकर्ताओं के लिए शोध का विषय बन चुका है। इस की पहचान एक रहस्यमयी गांव के तौर पर होती है।

यहां के लोगों का मानना है कि गांव पर किसी अदृश्य शक्ति का साया है। जबकि कुछ लोग गांव को शापित गांव मानते हैं। गांव में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहां लड़कियां पैदा होती हैं। लेकिन 12 साल की उम्र में वह लड़का बन जाती हैं। लड़की से लड़का बनने की इस बीमारी की वजह से गांव के लोग बेहद परेशान रहते हैं। गांव में जब भी किसी परिवार में लड़की का जन्म होता है तो परिवार में मातम पसर जाता है। क्योंकि बड़ी होने पर वह भी लड़का बन जाएगी। इसके चलते गांव में लड़कियों की संख्या बेहद कम हो गई है। बीमारी से पीड़ित बच्चों को इस गांव में बेहद बुरी नजर से देखा जाता है। ऐसे बच्चों को ग्वेदोचे के नाम से बुलाया जाता है।

स्थानीय भाषा में इस शब्द का मतलब किन्नर होता है। डॉक्टर्स के मुताबिक, ये बीमारी एक आनुवंशिक विकार है और स्थानीय भाषा में इससे ग्रस्त बच्चों को 'सूडोहर्माफ्राडाइट कहते हैं। इस बीमारी में लड़की के रुप में पैदा हुए कुछ बच्चों के शरीर में धीरे-धीरे पुरुषों जैसे अंग बनने लगते हैं। उनकी आवाज भी भारी हो जाती है। उनके शरीर में वो बदलाव आने शुरू हो जाते हैं, जो उन्हें धीरे-धीरे लड़की से लड़का बना देते हैं। कई शोधकर्ताओं ने इस बीमारी का उपचार खोजने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। जांच के दौरान पता चला कि इस गांव में 90 में से एक बच्चा इस बीमारी से जूझ रहा है।

कुवैत अग्निकांड: कांग्रेस ने विदेश मंत्रालय से की मुआवजे की मांग

अब तक 40 से अधिक भारतीयों की मौत की खबर

» कांग्रेस ने किया पीड़ितों के परिवारों को हर संभव मदद का आग्रह

» राहुल बोले- मध्य पूर्व में हमारे श्रमिकों की स्थिति गंभीर चिंता का विषय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कुवैत की एक इमारत में बुधवार को लगी भीषण आग में अब तक 50 से भी ज्यादा लोगों के मरने की खबर हैं। इस घटना में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों की जान जाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि मृतकों में 40 से अधिक भारत के नागरिक हैं। इस अग्निकांड को लेकर कुवैत से लेकर भारत में सनसनी मची हुई है। कुवैत सरकार ने इस घटना में लापरवाही को जिम्मेदार ठहाराते हुए बिल्डिंग मालिक और अन्य लोगों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं।

वहीं इस घटना पर भारत में कांग्रेस की ओर से भी शोक व्यक्त किया गया है। साथ ही विदेश मंत्रालय से भारतीय पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया गया है। जानकारी के मुताबिक, कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगाफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। इस इमारत में लगभग 160 लोग रहते है, जो कि इसी कंपनी के कर्मचारी हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस दुर्घटना में अब तक 50 से भी अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें अधिकांश भारतीय शामिल हैं।

भारतीयों की मौत से स्तब्ध व दुखी हूं: राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारतीयों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि कुवैत शहर में आग लगने से 40 से अधिक भारतीयों की मौत की भयावह खबर से स्तब्ध और दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं और मैं उन सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मध्य पूर्व में हमारे श्रमिकों की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। भारत सरकार को अपने समकक्षों के साथ मिलकर काम करते हुए हमारे नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए और सम्मानजनक जीवन स्तर सुनिश्चित करना चाहिए। इस घटना के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कुवैत में हुई भयानक त्रासदी से दुखी हूं, जहां कई भारतीय मजदूरों की जान चली गई और कई के घायल होने की सूचना आ रही है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हम विदेश मंत्रालय से आग्रह करते हैं कि पीड़ितों और उनके परिवारों को ईमानदारी से हर संभव सहायता प्रदान की जाए।

तत्काल पहुंचे घायलों तक मदद : कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने कहा कि कुवैत में एक श्रमिक शिविर में आग लगने के कारण हमारे साथी भारतीय नागरिकों की जान जाने की खबर से बहुत दुख हुआ। दिवंगत आत्माओं के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं विदेश मंत्रालय से इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों की तत्काल सहायता प्रदान की जाए। सभी पीड़ितों और उनके परिवारों को उचित मुआवजा भी दिया जाए। वेणुगोपाल ने कहा कि यह घटना मध्य पूर्व में भारतीय मजदूरों के रहने की भयावह स्थिति की याद दिलाती है। वहीं केरल के अलप्पुझा से सांसद ने कहा कि सरकार को अपने समकक्षों के साथ मिलकर हमारे नागरिकों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। जिसमें उचित आवास सुविधाएं, पर्याप्त सुरक्षा, सावधानियां और सुविधाएं शामिल हों। जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। कांग्रेस ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि कुवैत में एक इमारत में आग लगने से कई भारतीयों की मौत की दुखद खबर सामने आई है। कांग्रेस परिवार इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

ट्रक और कार की भिड़ंत में बच्ची समेत तीन की मौत

» खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे थे कार सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के रायसर थाना क्षेत्र में देर रात एक कार और ट्रक की भिड़त में कार में सवार तीन साल की एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और सीकर जिले के खाटू श्याम जी मंदिर में दर्शन-पूजन कर लौट रहे थे। रायसर थानाधिकारी महेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि ट्रक से टक्कर के बाद कार सड़क के किनारे खाई में गिर गई और ट्रक भी कार पर जा गिरा। उन्होंने बताया कि कार में रवि (28), उसकी बहन रिंकी (24), उसका पति अंकित (30) और उनकी तीन साल की बेटी देवकी सवार थे।

थानाधिकारी के मुताबिक, हादसे में रवि, अंकित और देवकी की मौत हो गई, जबकि रिंकी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। मामले की जांच की जा रही है।

मकान में आग लगने से पांच की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के लोनी इलाके में एक मकान में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। जानकारी देते हुए सहायक पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार ने बताया कि बुधवार देर रात लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित एक मकान में आग लग गई। आग मकान की नीचे की मंजिल में लगी और ऊपर मौजूद लोग उसमें फंस गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझायी। इस घटना में दो बच्चों समेत कुल पांच लोगों की मृत्यु हो गई तथा दो अन्य लोग झुलसकर घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में सैफुल रहमान, उसकी पत्नी नाजरा, उनकी बेटी इकरा, परवीन और मोहम्मद फैज शामिल हैं। आग लगने के कारणों के बारे में कुमार ने चश्मदीदों के हवाले से बताया कि घर के अंदर भारी मात्रा में फोम रखा हुआ था और संदेह है कि शॉर्ट सर्किट से अचानक लगी आग फोम की वजह से पूरे घर में फैल गई, जिससे वहां मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। घटना के असल कारणों का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। अधिकारी ने कहा कि घायल हुए अर्श और उज्मा को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा अर्श को बाद में छुट्टी दे दी गई।

आग लगने के कारणों का नहीं चल सका पता

अभी भारत में चल रहा अमृतकाल का समय : सीडीएस

» बोले- युवाओं की क्षमताओं से ही जीतेगा देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान का कहना है कि किसी भी राष्ट्र का अपना वक्त आता है, जब वह तरक्की करता है। अभी अमृतकाल चल रहा है। यह भारत का समय है। युवाओं का समय है। युवाओं की क्षमताओं से ही देश जीतेगा।

एक सम्मान समारोह में पहुंचे चौहान ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब दुनिया में औद्योगिक क्रांति हुई, हम इसका लाभ नहीं ले सके। अब हम स्वाधीन हैं। इस समय का सदुपयोग कर देश को महाशक्ति बनाया जा सकता है। सीडीएस चौहान ने कहा कि विकास के लिए दो चीजें अहम हैं, युवा शक्ति और नारी शक्ति। देश में अभी 28.7 फीसदी युवा हैं। युवा शक्ति देश की उत्पादकता बढ़ा सकती है। इसमें नारी शक्ति के रूप में आधी आबादी का सहयोग भी जरूरी है।

आतिशी ने एलजी पर लगाए गंभीर आरोप

» जल शक्ति मंत्री का दावा- उपराज्यपाल ने दीं मुझे गालियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में जारी पानी का संकट अब सियासी अखाड़ा बनता जा रहा है। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच लगातार सियासी बयानवाजी और आरोप-प्रत्यारोप जारी है। इस बीच अब दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया पोस्ट साझा करते हुए उपराज्यपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उपराज्यपाल ने बुधवार को एक प्रेस रिलीज जारी की थी। जिसको लेकर आतिशी ने कहा कि मुझे उन्होंने जमकर गालियां दी हैं। मंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एलजी साहब ने ऑफिस में सभी पत्रकारों को एक प्रेस रिलीज भेजी। उसमें मुझे बहुत गालियां दी हैं। मेरे बारे में बहुत खराब बातें कही हैं। मैं उपराज्यपाल साहब से हाथ जोड़ के इतना ही कहूंगी। मुझे पता है कि आप और भाजपा वाले हमसे बहुत नफरत करते हैं, क्योंकि दिल्ली वाले बार-बार अपने बेटे अरविंद केजरीवाल को भारी बहुमत से मुख्यमंत्री बनाते हैं। लेकिन हमसे नफरत करते करते आपको दिल्ली वालों से नफरत हो गई है।

राजनिवास की ओर से आया जवाब

आतिशी के इन आरोपों पर राजनिवास की ओर से भी सोशल मीडिया पर जबाव देते हुए लिखा गया कि आपको कोई गाली नहीं दी। एलजी कार्यालय ने आपके द्वारा कल उनको दी गयी गालियों और सफेद झूठ का बकायदा साक्ष्य समेत खंडन कर दिया। आदतन दिल्ली के लोगों को भ्रमित करने का पर्दाफाश किया। राजनिवास ने पानी के मुद्दे पर जल मंत्री आतिशी उपराज्यपाल पर बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। राजधानी में हो रही पानी की किल्लत का ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ रही हैं। उनका आरोप सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे से खारिज हो जाता है।

अमेरिका से जीतने में भारत के छूटे पसीने

» टी-20 विश्वकप: यूएस को हराकर सुपर-8 में पहुंची टीम इंडिया

» सूर्या-शिवम दुबे ने टीम को संभाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयॉर्क। टी20 विश्वकप में भारत ने लगातार अपना तीसरा मैच जीतकर सुपर-8 में जगह बना ली है। बुधवार को न्यूयॉर्क के नसाऊ काउंटी स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत ने 7 विकेट से जीत हासिल की। देखने में आसान लग रहे इस मुकाबले को जीतने में भारत के पसीने छूट गए।

एक बार को तो लगा कि कहीं अमेरिका उलटफेर न कर दे, लेकिन सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने पारी को संभालते हुए भारत को मंजिल तक पहुंचा दिया। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने इंडिया को 111 रनों का टारगेट दिया। जवाब में भारतीय टीम ने 3 विकेट गंवाकर यह मैच अपने नाम कर लिया। भारत की ओपनिंग एक बार फिर फ्लॉप रही। विराट कोहली जहां अपना खाता तक नहीं खोल पाए, वहीं रोहित शर्मा सिर्फ 3 रन बनाकर चलते बने। एक समय भारतीय टीम ने 39 रनों पर 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने जुझारुपन दिखाया और अमेरिका को ढेर कर दिया। सूर्या ने टी 20 वर्ल्ड कप में अपनी चौथी फिफ्टी भी जमाई। मैच में सूर्या ने 49 गेंदों पर नाबाद 50 और दुबे ने 35 गेंदों पर नाबाद 31 रनों की मैच विनिंग पारी खेली। सूर्या और शिवम ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों पर नाबाद 67 रनों की पार्टनरशिप की। इनके अलावा ऋषभ पंत ने 18 और रोहित शर्मा ने 3 रन बनाए। जबकि विराट कोहली खाता भी नहीं खोल सके। अमेरिका के लिए सौरभ नेत्रवलकर ने 2 और अली खान ने 1 विकेट लिया।

अर्शदीप ने पहले ही ओवर में झटके दो विकेट

मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी अमेरिकी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही थी। पहले ओवर में ही अर्शदीप सिंह ने अमेरिका के 2 विकेट झटक लिए थे। इसके बाद टीम संभली और उसने 8 विकेट पर 110 रन बनाए। टीम के लिए नीतीश कुमार ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। भारतीय टीम के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 9 रन देकर 4 विकेट झटके। जबकि हार्दिक पंड्या को 2 सफलताएं मिलीं। एक विकेट स्पिनर अक्षर पटेल ने लपका।

गम-गुस्सा और पलायन का दर्द

लखनऊ। अकबरनगर इलाके में शुरू हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का आज चौथा दिन है। अकबरनगर द्वितीय के सभी घरों पर सरकारी बुल्डोजर चलने के बाद आज से अब अकबरनगर प्रथम के सभी घरों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी। मौके पर भारी पुलिस बल और आरएएफ व पीएसी बल मौजूद है। इस कार्रवाई के दौरान कई दर्दनाक मंजर देखने को मिल रहे हैं। एक ओर जहां लोगों में अपने आशियानों के गिराये जाने का दर्द है तो वहीं दूसरी ओर वर्षों से साथ रह रहे अपनों के बिखर जाने का गम भी है। साथ ही बसंतकुंज में मिले नए घरों में अपनी गृहस्थी बसाने की चिंता भी लोगों को सता रही है। जाहिर है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद हो रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की कमान लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी ने संभाली है ।

यूसीसी और अग्निवीर योजना पर जेडीयू ने साफ किया अपना रुख

जदयू बोली- सभी हितधारकों से बात करके निकालना होगा समाधान, अग्निवीर में भी सुधार की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए की नई सरकार तो बन गई है, लेकिन ऐसा लगता है कि इस बार बीजेपी या पीएम मोदी अपनी मनमर्जी नहीं चला पाएंगे। क्योंकि ये बैसाखियों पर टिकी गठबंधन की सरकार है। ऐसे में हर मुद्दे पर हर सहयोगी तैयार हो, ये जरूरी नहीं है। अभी तो सरकार बने एक हफ्ते का भी समय नहीं बीता है, लेकिन कुछ मुद्दों को लेकर सहयोगियों ने बीजेपी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। ऐसे में मुद्दों में समान नागरिक संहिता यानी कि यूसीसी भी एक बड़ा मुद्दा है।

लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे को उठाया था। उन्होंने इसे मैनिफेस्टो में भी शामिल किया है। ऐसे में अगर बीजेपी को समान नागरिक संहिता को कानून बनाना है तो उन्हें अपने सहयोगियों की भी मदद लेनी पड़ेगी। लेकिन ऐसा लगता है कि उसके कुछ सहयोगी इसमें आपत्ति जता सकते हैं।

समान नागरिक संहिता को लेकर सभी दलों को अपनी अलग-अलग राय है। इसी बीच केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल का पदभार संभालते हुए ये कहना है कि यूसीसी अभी भी सरकार के एजेंडे का हिस्सा हैं। लेकिन इसको लेकर अब जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

वहीं अग्निवीर योजना को लेकर भी जेडीयू का रुख बीजेपी से अलग है। अग्निवीर योजना पर केसी त्यागी का कहना है कि इस योजना से मतदाता नाराज हैं। हम चाहते हैं कि जिन कमियों पर जनता ने सवाल उठाए हैं, उस पर चर्चा होनी चाहिए और उन्हें दूर करना चाहिए।

हमारी पार्टी इसके खिलाफ नहीं : त्यागी

यूसीसी को लेकर जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी का कहना है कि हमारी पार्टी यूसीसी के खिलाफ नहीं है। हम चाहते हैं कि इस मुद्दे पर एक आम सहमित बने। 2017 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यूसीसी पर विधि आयोग को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने आगे कहा कि हम इसके खिलाफ नहीं है, लेकिन हमें सभी हितधारकों से बात करके इसका समाधान निकालना होगा।

नीतीश का कहना था किसी पर नहीं थोपना चाहिए यूसीसी

जाहिर है कि नीतीश कुमार ने 2017 में लिखे अपने पत्र में कहा था कि सरकार को समान नागरिक संहिता लाने की कोशिश करनी चाहिए। ये प्रयास स्थायी और टिकाऊ होना चाहिए। इसके लिए आम सहमति बनना जरूरी है। इसे किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए।। उन्होंने ये भी कहा था कि इसे राजनीतिक साधन के रूप में नहीं बल्कि एक सुधार के रूप में देखना चाहिए।

हमें साथ मिलकर काम करने की जरूरत : दिल्ली सरकार

» दिल्ली-हरियाणा के बीच पानी विवाद पर हुई सुनवाई

» दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से की कमेटी गठित करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जल संकट की समस्या गहराती जा रही है। तो वहीं इस मामले को लेकर अब सियासत भी लगातार जारी है। इस बीच दिल्ली-हरियाणा के बीच पानी विवाद को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि समस्या के निपटारा के लिए सुप्रीम कोर्ट को एक कमेटी का गठन करना चाहिए। दिल्ली सरकार ने याचिका दायर कर मांग की है कि हरियाणा को तुरंत पानी छोड़ने के लिए निर्देश दिया जाए। इसमें कहा गया है कि हीटवेव और भीषण गर्मी के बीच राजधानी के लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने दिल्ली पानी संकट पर सुनवाई की। इस दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए, जबकि हरियाणा की तरफ से वकील श्याम दीवान ने दलीलें रखीं। सिंघवी ने कहा कि अदालत को एक कमिटी गठित करने के बारे में विचार करना चाहिए। ये लोगों के हित में है, क्योंकि पानी जैसी चीजों को कंट्रोल करने वाले बोर्ड नौकरशाही निकायों में सिमट कर रह जाते हैं।

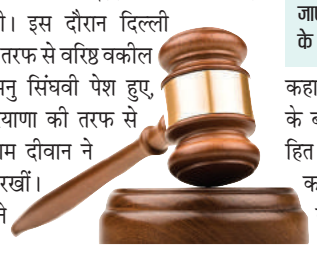

'तकनीकी कार्यवाही जल संकट का समाधान नहीं'

दिल्ली सरकार के वकील सिंघवी ने कहा कि तकनीकी कार्यवाही दिल्ली के आसन्न जल संकट का समाधान नहीं है। मैंने जो किया है वह यह है कि मैंने सब कुछ एक हलफनामे में डालने का प्रयास किया है। हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए, ये उंगलियां उठाने का समय नहीं है। दिल्ली सरकार के वकील ने बताया कि गाड़ियों को नहीं धोने जैसे निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर अदालत चाहे तो और भी निर्देश जारी कर सकती है, जिन्हें मानने के लिए सरकार तैयार है।

अदालत ने दिल्ली सरकार से किए थे सवाल

इससे पहले मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली में पानी की कमी कई वजहों से हो रही है, जिसमें टैंकर माफिया भी शामिल है। दिल्ली सरकार से अदालत ने सवाल किया था कि क्या इस संबंध में कोई कदम उठाए गए हैं। अदालत ने ये भी साफ कर दिया था कि अगर एक्शन नहीं लिया गया तो मामले को दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। दिल्ली में इस वक्त लोगों को भीषण गर्मी के बीच पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है।

पीएम की इटली यात्रा पर कांग्रेस ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनके तीसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा को लेकर कटाक्ष किया। कांग्रेस ने कहा कि वह इस साल के जी-7 शिखर सम्मेलन में अपनी कमजोर हुई अंतरराष्ट्रीय छवि को बचाने के लिए इटली जा रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत के दृष्टिकोण से जी7 शिखर सम्मेलनों में सबसे प्रसिद्ध जून 2007 में जर्मनी के हेलिगेंडम में हुआ था, क्योंकि यहीं पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन वार्ता में समानता सुनिश्चित करने के लिए प्रसिद्ध 'सिंह-मर्केल' फॉर्मूला पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया था। रमेश ने कहा कि इस पर अभी भी चर्चा होती है। डॉ. मनमोहन सिंह और जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने इतिहास रच दिया था। डॉ. मनमोहन सिंह खोखले आत्म-प्रशंसा के माध्यम से नहीं, बल्कि ठोस आधार पर वैश्विक दक्षिण की आवाज बनकर उभरे।

पेमा खांडू फिर बने अरुणाचल के सीएम

» चाउना मीन ने ली उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ

» गृहमंत्री अमित शाह व बीजेपी अध्यक्ष नड्डा रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में आज नई सरकार का गठन हो गया। बीजेपी नेता पेमा खांडू ने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ चाउना मीन ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। खांडू के साथ-साथ 11 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

राज्यपाल केटी परनाइक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में मुख्यमंत्री व मंत्रियों को शपथ दिलाई। एक दिन पहले ही खांडू को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था।

कल चुने गए थे विधायक दल के नेता

जाहिर है कि केंद्रीय पर्यवेक्षक भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ बुधवार को ईटानगर पहुंचे थे। इस दौरान, उन्होंने भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई और विधायक दल का नेता चुना। शाम को खांडू चुघ और कई विधायकों के साथ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) केटी परनायक से मुलाकात करने राजभवन पहुंचे। उन्होंने इस दौरान सरकार बनाने का दावा पेश किया। चुघ ने राजभवन में मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बियुराम वाघ ने मुख्यमंत्री के रूप में खांडू के नाम का प्रस्ताव रखा था।

मोनपा जनजाति से आते हैं खांडू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा की सराहना करते हुए, खांडू ने भाजपा में विश्वास जताने और उसे लगातार तीसरी बार सत्ता में लाने के लिए राज्य के लोगों को धन्यवाद दिया। 21 अगस्त, 1979 को जन्मे पेमा खांडू मोनपा जनजाति से आते हैं। उन्होंने तवांग के बोम्बा में सरकारी माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद वर्ष 2000 में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कला स्नातक की उपाधि हासिल की। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।